लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 24.12.2019 पृष्ठ सं 17 कॉलम 2-3

किसानों और कमेरा वर्ग के हितैषी थे चरण सिंह : वीसी

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई। विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रशासनिक भवन के सामने नवस्थापित चौधरी चरण सिंह की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि चौधरी चरण सिंह को किसानों के मसीहा के रूप में याद किया जाता है। वे किसानों व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। उनका मानना था कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए आवाज उठाई। उन्होंने विभिन्न राजनैतिक पदों पर रहते हुए देश में जमींदारी प्रथा समाप्त कराना, भूमि सुधार अधिनियम लागू कराना, ऋण निमोचन विधेयक पारित कराना और केन्द्र में ग्रामीण पुनरूत्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। कुलपति ने कहा हमें गर्व है कि इस विश्वविद्यालय का नाम इस महान नेता के साथ जुड़ा हुआ है। हम आज उनकी जयंती को किसान दिवस के रूप में मना रहे हैं। कुलपति ने वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व समाज के प्रत्येक वर्ग से किसानों के कल्याण के लिए कार्य करने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. बीआर कंबोज, ओएसडी डा. एमके गर्ग, डीन, डा. आरके झोरड़, व डा. बिमला ढाड़ा, निदेशक डा. एमएस सिद्धपुरिया, सम्पदा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को नमन किया।

स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह को नमन करते हुए कुलपति प्रो. केपी सिंह। ● विज्ञप्ति

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......पंजाब केसरी......
दिनांक 24.12.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-2

हकृवि में मनाई चौ. चरण सिंह की जयंती

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह की प्रतिमा को नमन करते हुए।

हिसार, 23 दिसम्बर (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौ. चरण सिंह की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्यातिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रशासनिक भवन के सामने नवस्थापित चौ. चरण सिंह की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कुलपति ने वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व समाज के प्रत्येक वर्ग से किसानों के कल्याण के लिए कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डा. बी.आर. कम्बोज, ओ.एस.डी., डा. एम.के. गर्ग, डीन, डा. आर.के. झोरड़, व डा. बिमला ढाड़ा, निदेशक, डा. एम.एस. सिद्धपुरिया, सम्पदा अधिकारी, भूपेंद्र सिंह, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों, तथा कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर उन्हें नमन किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम .... अमर उजाला ....
दिनांक 24.12.2019 पृष्ठ सं 3 कॉलम 7-8

हकृवि में मनाई पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की जयंती

अमर उजाला ब्यूरो

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह को नमन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रशासनिक भवन के सामने नवस्थापित चौधरी चरण सिंह की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि चौधरी चरण सिंह को किसानों के मसीहा के रूप में याद किया जाता है। वे किसानों व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। उनका मानना था कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है, इसलिए उन्होंने जीवनपर्यंत किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए आवाज उठाई। उन्होंने विभिन्न राजनीतिक पदों पर रहते हुए देश में जमींदारी प्रथा समाप्त कराना, भूमि सुधार अधिनियम लागू कराना और केंद्र में ग्रामीण पुनरुत्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने कहा हमें गर्व है कि इस विश्वविद्यालय का नाम इस महान नेता के साथ जुड़ा हुआ है।

हम आज उनकी जयंती को किसान दिवस के रूप में मना रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डॉ. बीआर कंबोज, ओएसडी, वैज्ञानिकों तथा कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर पुष्प भेंट कर उन्हें नमन किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......दैनिक ट्रिब्यून......
दिनांक...24.12.2019... पृष्ठ सं...6... कॉलम...5...

हकृवि में मनाई चौधरी चरण सिंह जयंती

हिसार, 23 दिसंबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रशासनिक भवन के सामने नव स्थापित चौधरी चरण सिंह की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि चौधरी चरण सिंह को किसानों के मसीहा के रूप में याद किया जाता है। वे किसानों व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। उनका मानना था कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुज़रता है, इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए आवाज उठाई।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम नभ छोर
दिनांक 23.12.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 5-8

चरण सिंह कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे : कुलपति

हिसार/23 दिसंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह ने प्रशासनिक भवन के सामने नवस्थापित चौधरी चरण सिंह की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह को किसानों के मसीहा के रूप में याद किया जाता है। वे किसानों व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। उनका मानना था कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए आवाज उठाई। उन्होंने विभिन्न राजनीतिक पदों पर रहते हुए देश में जमींदारी प्रथा समाप्त कराना, भूमि सुधार अधिनियम लागू कराना, ऋण निमोचन विधेयक पारित कराना और केन्द्र में ग्रामीण पुनरूत्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने कहा हमें गर्व है कि इस विश्वविद्यालय का नाम इस महान नेता के साथ जुड़ा हुआ है। हम आज उनकी जयन्ती को किसान दिवस के रूप में मना रहे है। हमारा हमेशा प्रयास रहता है कि प्रदेश व देश के प्रत्येक किसान तक इस विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कृषि तकनीकों का लाभ पहुंचे। हमने किसानों की खुशहाली व उन्नति के लिए अनेक परियोजनाएं लागू की हैं और उन्हें धरातल पर भी उतारा है। कुलपति ने वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व समाज के प्रत्येक वर्ग से किसानों के कल्याण के लिए कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर कुलसचिव, डॉ. बीआर कम्बोज, ओएसडी, डॉ. एमके गर्ग, डीन, डॉ. आरके झोरड़, व डॉ. बिमला ढांडा, निदेशक, डॉ. एमएस. सिद्धपुरिया, सम्पदा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों, तथा कर्मचारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर उन्हें नमन किया।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........पाठक पक्ष........

दिनांक 23.12.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 5-6

दुष्यंत ने किया चरण सिंह की तांबे की 9 फुट ऊंची प्रतिमा का किया अनावरण

हिसार, 23 दिसम्बर (निस) : हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय फसलों की बिक्री के लिए मार्केटिंग में सूत्रधार की भूमिका निभाए और इसकी नई संभावनाएं तलाश करे ताकि किसानों के लिए उन्नति की नई राहें खुल सकें। उन्होंने कहा कि बेहतर तकनीक, मार्केटिंग व शोध की मदद से प्रदेश के किसानों व खेती की दशा को बदला जा सकता है और इसके लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय जैसे संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने यह बात आज हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 22 जिलों के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में किसानों के मसीहा व पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की तांबे से बनी 9 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया और पराली प्रबंधन संयत्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में शोध कार्य (आर एंड डी) के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की जबकि पद्मश्री डॉ. विजयपाल सिंह ने कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट

अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में पुरातत्व-संग्रहालय व श्रम-रोजगार राज्यमंत्री अनूप धानक सहित अनेक विशिष्ट व्यक्तियों ने शिरकत की। हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि 23 दिसंबर को चौ. चरण सिंह व 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन है। इस पूरे सप्ताह को जय जवान-जय किसान के रूप में मनाया जाता है और हकृवि में भी इस दिन प्रतिवर्ष किसान दिवस मनाया जाता है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....पाठक पक्ष....
दिनांक..23.12.2019.... पृष्ठ सं....6.... कॉलम....4-5....

हकृवि में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई

हिसार, 23 दिसम्बर (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रशासनिक भवन के सामने नवस्थापित चौधरी चरण सिंह की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने इस अवसर पर कहा कि चौधरी चरण सिंह को किसानों के मसीहा के रूप में याद किया जाता है। वे किसानों व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। उनका मानना था कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए आवाज उठाई। उन्होंने विभिन्न राजनैतिक पदों पर रहते हुए देश में जमींदारी प्रथा समाप्त कराना, भूमि सुधार अधिनियम लागू कराना, ऋण निमोचन विधेयक पारित कराना और केन्द्र में ग्रामीण पुनरूत्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डॉ. बी.आर. कम्बोज, ओएसडी, डॉ. एम.के. गर्ग, डीन, डॉ. आर.के. झोरड़, व डॉ. बिमला ढाड़ा, निदेशक, डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, सम्पदा अधिकारी, भूपेन्द्र सिंह, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों, तथा कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर उन्हें नमन किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...सिटी पल्स...
दिनांक...23.12.2019... पृष्ठ सं...2... कॉलम...3-5...

हकृवि में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रशासनिक भवन के सामने नवस्थापित चौधरी चरण सिंह की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने इस अवसर पर कहा कि चौधरी चरण सिंह को किसानों के मसीहा के रूप में याद किया जाता है। वे किसानों व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। उनका मानना था कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुज़रता है इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए आवाज उठाई। उन्होंने विभिन्न राजनैतिक पदों पर रहते हुए देश में जमींदारी प्रथा समाप्त कराना, भूमि सुधार अधिनियम लागू कराना, ऋण निमोचन विधेयक पारित कराना और केन्द्र में ग्रामीण पुनरूत्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए।

हिसार। कुलपति प्रो. के. पी. सिंह भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह को नमन करते हुए।

उन्होंने कहा हमें गर्व है कि इस विश्वविद्यालय का नाम इस महान नेता के साथ जुड़ा हुआ है। हम आज उनकी जयन्ती को किसान दिवस के रूप में मना रहे हैं। हमारा हमेशा प्रयास रहता है कि प्रदेश व देश के प्रत्येक किसान तक इस विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कृषि तकनीकों का लाभ पहुंचे। हमने किसानों की खुशहाली व उन्नति के लिए अनेक परियोजनाएं लागू की हैं और उन्हें धरातल पर भी उतारा है। कुलपति ने वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व समाज के प्रत्येक वर्ग से किसानों के कल्याण के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डॉ. बी.आर. कम्बोज, ओएसडी, डॉ. एम.के. गर्ग, डीन, डॉ. आर.के. झोरड़, व डॉ. बिमला ढांडा, निदेशक, डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, सम्पदा अधिकारी, भूपेन्द्र सिंह, विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों, तथा कर्मचारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर उन्हें नमन किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 24.12.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-6

छात्र पंकज ने खुद जीवाणु ढूंढकर बनाया प्राकृतिक डिटर्जेंट, अब एचएयू गोल्ड मेडल से करेगी सम्मानित

माइक्रो बायोलॉजी में एमएससी के दौरान की रिसर्च, अब कर रहे पीएचडी

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के छात्र पंकज शर्मा ने खुद जीवाणु ढूंढकर उससे प्राकृतिक डिटर्जेंट तैयार किया। छात्र की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय उसे एसआर व्यास गोल्ड मेडल से सम्मानित करेगी। पंकज ने माइक्रो बायोलॉजी में एमएससी के दौरान यह रिसर्च की। अब पंकज इसी विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रहे हैं।

पंकज ने बताया कि आमतौर पर डिटर्जेंट रसायनों की मदद से तैयार किए जाते हैं। इनसे हमारे वातावरण को काफी नुकसान पहुंच रहा है। यह नदियों के पानी को दूषित कर रहे हैं। साथ ही जमीन की उपजाऊ शक्ति को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। पंकज के मुताबिक वैसे तो प्राकृतिक डिटर्जेंट को पहले ही बनाया जा चुका है। मगर ये काफी महंगे हैं। उसने जीवाणुओं की मदद से प्राकृतिक डिटर्जेंट तैयार किया। ये जीवाणु भी उसने बाहर से नहीं खरीदे, बल्कि पहले इन्हें ढूंढा और फिर उनकी सहायता से प्राकृतिक डिटर्जेंट बनाया। उसने करीब ऐसे चार-पांच जीवाणु ढूंढे, जिनसे प्राकृतिक डिटर्जेंट तैयार किया जा सकता है। पंकज के मुताबिक कीटनाशकों में डिटर्जेंट का इस्तेमाल किया जाता है। मगर यदि प्राकृतिक डिटर्जेंट का इस्तेमाल होगा, इससे रसायनों का प्रभाव कम होगा। इस रिसर्च में उसे डॉ. सीमा सांगवान ने गाइड किया। पंकज को इस रिसर्च के लिए अभी हाल ही में सेंट्रल यूनिवर्सिटी महेंद्रगढ़ में हुई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में पोस्टर प्रस्तुतिकरण में पहला पुरस्कार भी मिला।

पंकज शर्मा

हिसार जिले की जमीन में हैवी मेटल पर की रिसर्च

विश्वविद्यालय से सॉयल साइंस विषय में एमएससी कर चुके गणपत लोहार को विश्वविद्यालय की तरफ से डॉ. एसडी निजावान गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। गणपत लोहार ने हिसार जिले में जमीन में हैवी मेटल्स पर रिसर्च की। गणपत लोहार के मुताबिक अगर किसी जमीन में हैवी मेटल्स की मात्रा एक निर्धारित अनुपात से ज्यादा है तो उससे फसल उत्पादन कम होगा। इसके अलावा पौधों के जरिये वह हैवी मेटल्स इंसानों के शरीर में भी प्रवेश कर सकती है, जिससे काफी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। लोहार ने बताया कि उसने रिसर्च के लिए बालसमंद, रावतवास, ईशरवाल, बरवाला व लाडवा गांव को चुना। इस दौरान उसने इन जगहों की जमीन में लेड, क्रोमियम, कैडमियम, कोबाल्ट व निक्कल जैसी हैवी मेटल्स की जांच की। मगर इन जगहों पर हैवी मेटल्स की मात्रा खतरे की मात्रा से कम ही मिली। उसने अपनी रिसर्च डॉ. राजपाल यादव के अंडर रहकर की। फिलहाल वह आईएआरआई से पीएचडी कर रहा है।

गणपत लोहार

गेहूं की विभिन्न किस्मों, उनकी बिजाई के समय पर की रिसर्च

एकता कंबोज

विवि से एग्रोनॉमी विषय में एमएससी कर चुकी एकता कंबोज को विवि द्वारा डॉ. एसबी फौगाट मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। एकता ने एमएससी के दौरान गेहूं की विभिन्न किस्मों और उनके बिजाई के समय पर रिसर्च की। एकता ने बताया कि गेहूं की बिजाई का उपयुक्त समय एक नवंबर से 15 नवंबर है। हालांकि पांच दिसंबर तक भी बिजाई की जा सकती है। अपनी रिसर्च में उसने अलग-अलग किस्मों के साथ यह देखा कि अलग-अलग अवधि में बिजाई करने पर कौन सी किस्म बढ़िया रिजल्ट देती है। इसके लिए उसने गेहूं की डब्ल्यूएच 1105, एचडी 2967, डीबीडब्ल्यू 88 व एचडी 3086 को लिया। वहीं बिजाई समय को लेकर उसने 5 नवंबर, 15 नवंबर, 25 नवंबर व 5 दिसंबर को चुना। इन तिथियों के अनुसार उसने सभी किस्मों को उगाया और उनकी पैदावार जांची। इस दौरान एचडी 3086 का सबसे अच्छा रिजल्ट आया। उसकी रिसर्च में डॉ. भगत सिंह ने उसे गाइड किया।

गेहूं में आने वाले पीला रतुआ की बीमारी पर की रिसर्च

विजेता गुप्ता

विवि से जेनेटिक ऐंड प्लांट ब्रीडिंग विषय में एमएससी कर चुकी विजेता गुप्ता को डॉ. रामधन सिंह गोल्ड से सम्मानित किया जाएगा। विजेता ने बताया कि उसने रिसर्च में गेहूं की किस्म डीबीडब्ल्यू-17 व डब्ल्यूएच 1105 की क्रॉस की अलग-अलग जेनरेशन को लिया। इस दौरान उसने लैब में और फील्ड में यह जांचा कि कौन-कौन से पौधे पीला रतुआ की बीमारी को सहन कर पाते हैं और कौन से पौध सहन नहीं पाते। उसकी रिसर्च से यह फायदा होगा कि यदि कोई गेहूं की नई वैरायटी विकसित की जाती है तो उसमें यह पता लगाया जा सकेगा कि यह वैरायटी पीला रतुआ रोधी है या नहीं। विजेता ने बताया कि इस रिसर्च में उसके गाइड डॉ. मुकेश कुमार थे।

मशरूम में सबसे अधिक 30 प्रतिशत प्रोटीन बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूर खाएं : सुरजीत

एचएयू में आयोजित मशरूम प्रशिक्षण शिविर में जानकारी देते वैज्ञानिक - अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

एचएयू में मशरूम डे पर प्रशिक्षण शिविर का आरंभ

हिसार। दुनिया में 14 हजार प्रकार की मशरूम पाई जाती है। इनमें से खाने वाली किस्में बहुत कम होती हैं, बेहद स्वास्थ्यवर्धक होती है। हरियाणा में बटन मशरूम सबसे अधिक उगाई जाती है। यह जानकारी सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मशरूम विभाग के वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षणार्थियों को दी। सोमवार को मशरूम डे मनाया गया और इस अवसर पर विश्वविद्यालय में सात दिवसीय खुंभ प्रशिक्षण शिविर शुरू किया गया। प्रशिक्षण का संचालन डॉ. एसके मेहतानी ने किया।

इस अवसर मुख्य वक्ता प्रो. सुरजीत सिंह ने बताया कि वर्तमान में मशरूम की खेती करके अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। यह न केवल स्वास्थ्यवर्धक है, बल्कि शरीर में विटामिन, कैल्शियम आदि की कमी को भी पूरा करता है। उन्होंने बताया कि मशरूम में 30 प्रतिशत प्रोटीन होता है और इसे आसानी से पचाया जा सकता है। केवल मशरूम ही है, जिसमें विटामिन डी की मात्रा सबसे अधिक होती है। यह कोलस्ट्रोल, शुगर और फैट फ्री होने के साथ बीपी के मरीजों के लिए भी फायदेमंद है।

डॉ. राकेश चुघ ने बताया कि विश्व में 14 हजार प्रकार की मशरूम होती है। हरियाणा में वैज्ञानिक सत्र पर पांच प्रकार की मशरूम की खेती ही सबसे अधिक होती है। मशरूम की खेती करने वाले लोगों में से 95 प्रतिशत बटन मशरूम उगाते हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम में सबसे फायदेमंद और औषधीय कीड़ा जड़ी मशरूम होती है, जो पहाड़ों पर पाई जाती है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 24.12.2019 पृष्ठ सं 4 कॉलम 7-8

टीचर्स एसोसिएशन का चुनाव 7 को

हिसार, 23 दिसम्बर (नांदवाल): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टीचर्स एसोसिएशन (हौट्य) के 7 जनवरी को होने वाले चुनाव को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में गहमा-गहमी शुरू हो चुकी है। चुनाव की तारीख अभी दूर है फिर भी हलचल का माहौल बना हुआ है। चुनाव 5 पदों और 10 एग्जीक्यूटिव मैम्बर्स के लिए होना है। कालेज ऑफ एग्रीकल्चर के डीन डा. एस. के. सहरावत को इलैक्शन का चुनाव अधिकारी बनाया गया है। हौट्य के करीब 660 मैंबर्स हैं जिनमें तकरीबन 220 मैंबर्स बाहरी केंद्रों में हैं। चुनाव अधिकारी डा. सहरावत ने बताया कि चुनाव का नोटिफिकेशन जारी किया जा चुका है। एसोसिएशन का चुनाव अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह-सचिव, कोषाध्यक्ष पद के लिए करवाया जाएगा। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी के लिए 10 सदस्य का भी चुनाव होगा। उन्होंने बताया कि नामांकन 23 व 24 दिसम्बर को दाखिल किए जा सकते हैं। 26 दिसम्बर को भरे गए नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की लिस्ट 27 दिसम्बर को सायं 4 बजे डिसप्ले की जाएगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 23.12.2019 पृष्ठ सं 4 कॉलम 3-6

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टीचर्स एसोसिएशन का चुनाव 7 जनवरी को

5 पदों व 10 सदस्यों के लिए होने वाले चुनाव को लेकर शुरू हुई गहमा-गहमी

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टीचर्स एसोसिएशन (हौटा) के 7 जनवरी को होने वाले चुनाव को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में गहमागहमी शुरू हो चुकी है। चुनाव की तारीख अभी दूर है फिर भी हलचल का माहौल बना हुआ है। चुनाव पांच पदों और 10 एग्जीक्यूटिव मैम्बर्स के लिए होना है। कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर के डीन डा. एस. के. सहरावत को इलेक्शन का चुनाव अधिकारी बनाया गया है। हौटा के करीब 660 मैम्बर्स हैं जिनमें तकरीबन 220 मैम्बर्स बाहरी केंद्रों में हैं। चुनाव अधिकारी डॉ. सहरावत ने बताया कि चुनाव का नोटिफिकेशन जारी किया जा चुका है। 23 दिसम्बर तक एसोसिएशन के सदस्य बन सकते हैं। एसोसिएशन का चुनाव अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष पद के लिए करवाया जाएगा। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी के लिए 10 सदस्य का भी चुनाव होगा। उन्होंने बताया कि नामांकन 23 व 24 दिसम्बर को दाखिल किए जा सकते हैं। 26 दिसम्बर को भरे गए नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की लिस्ट 27 दिसम्बर को सायं 4 बजे डिसप्ले की जाएगी। उम्मीदवार 31 दिसम्बर को दोपहर 1 बजे तक अपना नामांकन वापिस ले सकते हैं। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट 31 दिसम्बर को सायं 4 बजे जारी कर दी जाएगी। चुनाव अधिकारी के अनुसार बाहरी केंद्रों पर मतदान 6 जनवरी को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक करवाया जाएगा जबकि हिसार कैंपस में मतदान 7 जनवरी को सुबह 9.30 बजे शुरू होगा जो 4.30 बजे तक जारी रहेगा। मतदान संपन्न होने के बाद 7 जनवरी को सायं 5 बजे से मतों की गिनती शुरू होगी और मतगणना संपन्न होने पर उसी दिन परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।